RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 05 अक्टूबर 2022 वर्ष 04 अंक 148 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

# दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

# मुंबई में शिवसेना व शिंदे गुट की दशहरा रैली के चलते कई प्रमुख सड़कें रहेंगी बंद...!

## मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र की सियासत के लिए कल (5 अक्टूबर) का दिन बेहद खास है। दरअसल बुधवार को मुंबई शहर में दो विशाल दशहरा रैलियां होंगी. एक रैली शिवसेना द्वारा दादर के शिवाजी पार्क और दूसरा एकनाथ शिंदे गुट द्वारा बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के एमएमआरडीए मैदान में आयोजित की जाएगी। इस दौरान शहर में बड़ी संख्या में बाहरी लोगों के आने की संभावना है। जिसके मद्देनजर मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। जिसमें शिवसेना के दोनों गुटों द्वारा आयोजित दशहरा रैलियों के कारण शहर में यातायात प्रतिबंधों की जानकारी दी गई है। मुंबई की प्रमुख सड़क ईस्टर्न और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर भारी ट्रैफिक की उम्मीद के चलते ट्राफिक पुलिस ने जाम से बचने के लिए बीकेसी, दादर और माहिम में यातायात प्रतिबंध लगाने की जानकारी दी है। ये पाबंदियां सुबह नौ बजे से आधी रात तक लागू रहेंगी।

BKC **(बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स)**

इसके तहत वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, धारावी और बांद्रा-वर्ली सीलिंक से फैमिली कोर्ट से कुर्ला की ओर आने वाले वाहनों की एंट्री बैन होगी। वहीँ, संत ज्ञानेश्वर रोड से बीकेसी इनकम टैक्स जंक्शन से कुर्ला की ओर आने वाले वाहनों की एंट्री बंद रहेगी। इसी तरह शासकीय कालोनी, कनकिया पैलेस और वाल्मीकि नगर से बीकेसी परिसर द्वारा चूनाभट्टी और कुर्ला की ओर आने वाले वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। सुर्वे जंक्शन और रज्जाक जंक्शन से बीकेसी परिसर द्वारा वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, धारावी और बांद्रा-वर्ली सीलिंक की ओर आने वाले वाहनों की एंट्री बंद रहेगी। दक्षिण की ओर जाने वाले बीकेसी कनेक्टर का उपयोग करके बीकेसी में चूनाभट्टी के माध्यम से ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के माध्यम से आने वाले वाहनों के लिए एंट्री बंद रहेगी।

# फर्जी CBI अधिकारी बनकर बिजनेसमैन से मांग रहे थे पैसे, चार हुए गिरफ्तार

**मुंबई :** मुंबई की गोरेगांव पुलिस ने एक व्यापारी से केंद्रीय ब्यूरो (सीबीआई) का अधिकारी बताकर पांच लाख रुपये ठगने का प्रयास करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है. व्यवसायी ने पुलिस को बताया कि उसने 1.6 करोड़ रुपये के लोन के लिए एक शख्स से संपर्क किया था जिसके बाद गिरोह उसके ऑफिस पहुंच था. पुलिस ने आरोपियों की पहचान जीवन अहीर उर्फ विपुल (52), गिरीश क्लेचा (29), राहुल शंकर गायकवाड़ (43) और किशोर चाईबल (52) के रूप में की है.

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किया गया गिरोह अमीर व्यापारियों को निशाना बनाता था. इनका काम लोगों को कर्ज देकर फंसाना और फिर फर्जी छापेमारी करना होता था. आरोपी सीबीआई और पुलिस अधिकारी होने का नाटक करके पैसे की मांग करते थे. पुलिस ने बताया कि गोरेगांव स्थित आस्तिक ट्रेडिंग सेंटर के दफ्तर में सीबीआई और पुलिस का बहाना बनाकर चार लोगों घुस आए थे और 30 सितंबर को पांच लाख रुपये की मांग की थी. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चारों को गिरफ्तार किया. इनके पास से फर्जी सीबीआई और पुलिस के आईडी कार्ड भी बरामद किए गए हैं. पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए चारों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में कई थानों में मामले दर्ज हैं. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ रंगदारी का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है. वहीं पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों के अलावा इनकी टीम का पांचवां सदस्य अभी भी फरार है.

## राशनकार्ड पर 100 रुपए में चीनी ,सूजी, तेल और चना दाल, शिंदे-फडणवीस सरकार का दिवाली गिफ्ट

**मुंबईः** राज्य की शिंदे-फडणवीस सरकार ने आम नागरिकों को दिवाली गिफ्ट देने का निर्णय लिया है। सरकारी राशन की दुकानों पर राशनकार्ड धारकों को 100 रुपए में चीनी ,सूजी, तेल और चना दाल उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रिमंडल की हुई बैठक में खाद्य और नागरी आपूर्ति विभाग की तरफ से तैयार किए गए प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिवाली के पहले नागरिकों तक सभी वस्तुएं पहुंचाने का

निर्देश खाद्य और नागरी आपूर्ति विभाग को दिया है। राज्य सरकार के निर्णय के मुताबिक, राशनकार्ड धारकों को सरकारी राशन की दुकानों पर 100 रुपए में एक-एक किलो चीनी ,सूजी, चना दाल और एक लीटर पाम तेल उपलब्ध कराया जाएगा। इसका फायदा 1 करोड़ 70 लाख परिवार मतलब 7 करोड़ लोगों को मिलेगा। मंत्रिमंडल की बैठक में इस योजना के लिए 513 करोड़ 24 लाख रुपए खर्च को मंजूरी दी गयी है।

दिवाली के पहले नागरिकों को मिले सभी वस्तुएं राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खाद्य एवं नागरी आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि दिवाली के पहले नागरिकों तक सभी वस्तुएं पहुंच जानी चाहिए।

# मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को मिली जमानत

## फिलहाल जेल में ही रहना होगा

**मुंबईः** महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को लगभग 11 महीने बाद मंगलवार को बॉम्बे हाईकोर्ट से जमानत मिल गई, लेकिन फिलहाल उन्हें जेल में ही रहना होगा। ईडी की ओर से दर्ज केस में अनिल देशमुख को जमानत मिली है जबकि सीबीआई की ओर से दर्ज मामले में जांच जारी है, इसलिए उन्हें जेल में ही रहना होगा।

बता दें कि अनिल देशमुख मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में पिछले कई महीनों से जेल में बंद हैं। यह मामला काफी समय से लंबित चल रहा था जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट को एक हफ्ते

के अंदर फैसला सुनाने का निर्देश दिया था। देशमुख के वकीलों ने उनके स्वास्थ्य का हवाला देते हुए अदालत के सामने जमानत याचिका दायर की थी। गौरतलब है कि मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। वहीं इन आरोपों के बाद सीबीआई ने देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था, जिसके बाद ईडी भी केस दर्ज कर इसकी जांच कर रही थी। ईडी ने जांच के दौरान ही नवंबर, 2021 में देशमुख को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वे हिरासत में हैं। ईडी ने अनिल देशमुख पर जो मामला दर्ज किया है उसमें दावा किया गया है कि देशमुख ने अपने पद का दुरुपयोग किया। देशमुख ने मुंबई के विभिन्न बार और रेस्तरां से करीब 4.7 करोड़ रुपये एकत्र किए। इसके साथ ही आरोप है कि देशमुख ने गलत तरीके से अर्जित धन को नागपुर स्थित श्री साईं शिक्षण संस्थान को मुहैया कराया, जो उनके परिवार के जरिए नियंत्रित एक शैक्षिक ट्रस्ट है।

## संपादकीय / लेख

# दशहरा का संकल्प...

**फैसल शेख**
(प्रधान संपादक)

**महामारी से राहत और वैश्विक मंदी की आशंका के मिले-जुले माहौल में इस बार विजयदशमी का त्योहार आया है, लेकिन उत्सवधर्मी भारतीयों ने अपने उत्साह से जता दिया है कि कितनी बेसब्री से उन्हें इन अवसरों की प्रतीक्षा रहती है। दो साल बाद दुर्गा पंडालों की भव्यता और रामलीला आयोजनों की रौनक ही नहीं लौटी, घरेलू अर्थव्यवस्था में उम्मीद की भी वापसी हुई है। भारत के सांस्कृतिक वैभव के जो कुछ सबसे बडे.प्रतीक हैं, दशहरा उनमें से एक है। हिंदू धर्म के सर्वश्रेष्ठ मानवीय मूल्यों का यह प्रतिनिधि पर्व बार-बार स्थापित करता है कि असत्य के समूचे मायाजाल को छिन्न-भिन्न कर सत्य का सूरज उदित होकर रहेगा। विजयदशमी का संदेश बहुत साफ है कि अच्छाई और न्याय का रास्ता दुःसाध्य हो सकता है, मगर शक्ति की सार्थकता ही इन मूल्यों की प्रतिष्ठापना में है। एक मनुष्य के तौर पर हमारी यही कामना होनी चाहिए। यही पूरी मानवता का काम्य है!**

**मगर आज हमें यह सोचने की बहुत आवश्यकता है कि हमारे श्रेष्ठ सांस्कृतिक मूल्यों के आगे किस तरह की चुनौतियां हैं? क्या हम अपने पर्वों-त्योहारों के मूल उद्देश्यों को जी पा रहे हैं? बाजार के लिए ये यकीनन बडे.अवसर हैं, और वह इनके दोहन के तरीके तलाशेगा ही, लेकिन हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि आधुनिक बाजार सिर्फ मुनाफे पर अपनी निगाह रखता है, जबकि हमारे पुरखों ने अपनी तमाम परंपराएं कुछ इस तरह गढ़ी हैं कि उनसे समाज के हाशिये के लोगों का भी पोषण सुनिश्चित हो सके। दुर्गा पूजा के मेले कृषक व वणिक समाज के लिए सदियों से बेहद उपयोगी रहे हैं। हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सदियों से धार्मिक मेलों, पर्व-त्योहारों से बड़ा संबल मिलता रहा है। इसलिए, आज जब हम यह त्योहार मना रहे हैं, तब हमें जरूर सोचना चाहिए कि ऑनलाइन मार्केटिंग के इस युग में हमारे ग्रामीण कुम्हार, बढ़ई, लुहार आदि भाइयों के आर्थिक हित कैसे संरक्षित होंगे? एक राष्ट्र के तौर पर यह चिंता बहुत जरूरी है, क्योंकि पर्वों-त्योहारों में इन वर्गों की उपयोगिता गढ़कर समाज ने उन्हें जीने का आधार दिया था।**

**रावण जिन बुराइयों का प्रतीक है, उनसे सतत संघर्ष विजयदशमी का मूल संकल्प है। यह संघर्ष व्यक्ति के तौर पर अपने अंदर की संकीर्णताओं से है और समाज के स्तर पर उसके विद्रूपों से। हमारे मनीषियों ने इसीलिए बार-बार आगाह किया कि अपने अंदर के रामत्व को जागृत किए बिना समाज और देश के भीतर मौजूद रावण तत्व से आप लड़ ही नहीं सकते। हम शायद बिसराने लगे हैं कि राम की जीत एक उदार दृष्टि की जीत है। उस विजय में सबकी सहभागिता है, लघु से लघुतम का स्वीकार है। आज जाति और धर्म के नाम पर समाज में तरह-तरह के विष बोने वाले क्या राम की जीत के मर्म को समझते हैं? जिस धर्म और समाज में पिता के वचन की लाज रखने के लिए खुशी-खुशी चौदह साल का कष्टकारी वनवास भोगने का आदर्श है, वहां सत्ता की अधीरता में कैसे-कैसे अनैतिक कृत्य होते हम देख रहे हैं? इसलिए, जब सत्य व असत्य के बीच भेद करना दुष्कर होने लगा है, तब विजयदशमी की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। सांप्रदायिकता, विपन्नता, विषमता, बेकारी, भूख जैसी आज की दानवी शक्तियों को परास्त करने के लिए हमें आज भी वही हथियार चाहिए, जो मयार्दा पुरुषोत्तम ने धारण किए थे। शील, संयम, सहिष्णुता, सहायता, स्वीकार्यता के बिना किसी विजयदशमी की सार्थकता भी कहां होगी!**

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

# कोर्ट ने मुंबई तटीय सड़क परियोजना में आंशिक विकास कार्य शुरू करने की दी अनुमति

**मुंबई :** सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेटर मुंबई नगर निगम को तटीय सड़क परियोजना में आंशिक तौर पर विकास कार्य शुरू करने की अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि सड़क के आस-पास पर्यावरण को सुरक्षित करना बेहद जरुरी है। जज डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने अपने 2019 के आदेश को संशोधित किया और नगर निकाय को उद्यान, खुला हरित स्थान और पार्क, साइकिल ट्रैक, जॉगिंग पथ बनाने, समुद्र के किनारे सैरगाह और मनोरंजन स्थलों का निर्माण करने की अनुमति दी। पीठ ने कहा कि जब तक इस चरण में काम की अनुमति नहीं दी जाती है, सड़क के पूरे हो चुके बड़े हिस्से को भूमिगत कार पार्किंग के लिए खोलना होगा। यह सुविधा जनहित में है। न्यायालय ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा में सतत विकास एक महत्वपूर्ण घटक है। इस स्तर पर प्रथम दृष्टया भीड़भाड़ वाले महानगर की मुख्य सड़कों पर भीड़ कम करने के प्रयास को बाधित नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तटीय नियामक क्षेत्र (सीआरजेड) मंजूरी के तहत लगाई गई शर्तों का पूर्ण ईमानदारी से अनुपालन होना चाहिए जिनमें मछुआरा समुदाय का पुनर्वास भी शामिल है। न्यायालय ने नगर निकाय को एक हलफनामा पेश करने का निर्देश दिया कि नगर निगम 11 मई, 2017 की सीआरजेड मंजूरी में निर्धारित सभी शर्तों का, 18 मई, 2021 को किए गए संशोधन समेत, सख्ती से पालन करेगा।

पीठ ने कहा कि पुनर्प्राप्त भूमि का उपयोग वर्तमान में या भविष्य में किसी भी समय किसी आवासीय या वाणिज्यिक विकास/उद्देश्यों के लिए, नहीं किया जाना चाहिए। इस न्यायालय की पूर्व अनुमति के बिना तटीय सड़क परियोजना के प्रयोजनों के लिए आगे कोई भूमि पुनः प्राप्त नहीं की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि परियोजना के मापदंडों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होता है तो इस अदालत को अग्रिम रूप से उस बारे में अवगत कराया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता आदेश की तारीख से तीन महीने की अवधि के अंदर अपेक्षित योजना दाखिल करेगा।

सुप्रीम कोर्ट 17 दिसंबर, 2019 के अंतरिम आदेश में संशोधन के लिए ग्रेटर मुंबई नगर निगम द्वारा दायर एक आवेदन पर सुनवाई कर रहा था, जिससे उसे तटीय सड़क परियोजना से संबंधित कुछ कार्य करने की अनुमति मिल सके। न्यायालय ने नगर निगम को पूर्व में अगले आदेश तक किसी भी तरह की विकास गतिविधि को अंजाम न देने को कहा था। करीब 12,000 करोड़ रुपये मूल्य की यह तटीय सड़क परियोजना मरीन ड्राइव से वरली तक है।

# पोस्ट कोविड मरीजों में बढ़ा 'टीबी' का खतरा!

**मुंबई :** मुंबई में भले ही कोरोना पूरी तरह नियंत्रण में आ गया है, लेकिन कोरोना से मुक्त हुए कई मरीजों के 'टीबी' से संक्रमित होने की जानकारी सामने आ रही है। इसके अलावा डायबिटीज और दिल के रोग के मामलों में भी वृद्धि हुई है। इसे गंभीरता से लेते हुए मनपा मुंबई में ५० लाख लोगों की स्क्रीनिंग कर संदिग्धों की जानकारी जुटाएगी। मनपा की कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे ने बताया कि इसके अनुसार इलाज और आवश्यक उपाय किए जा सकेंगे। मार्च २०२० में कोरोना महामारी ने मुंबई में दस्तक दी थी। इसके बाद करीब दो सालों तक मुंबईवासियों को कोरोना के साए में बिताना पड़ा। इस दौरान महामारी की दो भयानक लहरें आईं और अब तक १९,७३३ लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है। हालांकि इस समय कोरोना पूरी तरह नियंत्रण में है लेकिन पोस्ट कोविड बीमारियों से संक्रमित मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है इसलिए मनपा सतर्क हो गई है। पोस्ट कोविड मरीजों की देखभाल के लिए मनपा अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में स्क्रीनिंग की व्यवस्था की गई है। डॉ. गोमारे ने कहा कि आशा कार्यकर्ता और स्वास्थ्य कर्मचारी घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करने के साथ ही निरीक्षण कर रहे हैं।

इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा करीब ९.८६ लाख घरों के ४०,३४,५१३ लोगों की जांच की जाएगी। इसके लिए २,८२९ टीमें काम कर रही हैं। ये टीमें सुबह ९ से शाम ४ बजे तक घरों का दौरा करेंगी। इनमें से प्रत्येक टीम में एक महिला, एक स्वास्थ्य स्वयंसेवक और एक पुरुष स्वयंसेवक समेत ३ लोगों को शामिल किया जाएगा। यदि घर-घर दौरे के दौरान कोई सदस्य मौके पर उपलब्ध नहीं होता है तो टीम सदस्यों की उपलब्धता के आधार पर उस घर का फिर से दौरा करेगी।

# किराया बकाया रखनेवाले भवन निमार्ताओं के खिलाफ 'म्हाडा' ने बरती सख्ती...

**मुंबई :** किराया बकाया रखनेवाले भवन निमार्ताओं के खिलाफ झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण ने जोरदार वसूली अभियान शुरू किया है। इसके अलावा ऐसे बकाएदार भवन निमार्ताओं के खिलाफ चार महीने पहले से ही कार्रवाई शुरू कर दी है। म्हाडा ने घोषणा की है कि करीब ३९ पुनर्विकास योजनाएं पूरी तरह से ठप पड़ी हैं। इनमें से सात परियोजनाओं के निवासियों ने इसे आगे ले जाने का पैष्ठसला किया है। फिलहाल वर्तमान में इसे लेकर कानूनी प्रावधानों की जांच म्हाडा कर रही है।

किराया बकाएदार भवन निमार्ताओं को झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण द्वारा महीने भर की अवधि दी गई है। इसके बावजूद बकाया न दिए जाने पर शुरू में बिक्री पर रोक और बाद में परियोजना से तत्काल हटाने की चेतावनी दी गई है। बताया गया है कि ऐसे डेढ़ सौ बकाया विकासकर्ता 'झोपु प्राधिकरण' में हैं और ये प्रोजेक्ट ठप नहीं हैं। केवल उन्हीं विकासकों की परियोजनाओं को म्हाडा के रोका है, जिन्होंने बकाया नहीं दिया है।

परियोजनाओं के समय पर पूरा न होने और निवासियों का किराया बकाया रखने के बावजूद म्हाडा की तरफ से खासा ध्यान नहीं दिया जा रहा था। लेकिन कुछ परियोजनाओं में विकासकों की तरफ से निवासियों को किराया भी नहीं दिया जा रहा था और काम भी पूरी तरह से ठप हो गया था। इसे लेकर मुंबई गृहनिर्माण के पास शिकायत पहुंची थी। अंत में मुंबई मंडल ने पूरी तरह से रुके हुए प्रोजेक्ट्स की समीक्षा और जानकारी लेनी शुरू कर दी। उस समय ३९ पुनर्विकास परियोजनाएं पूरी तरह से ठप्प पड़ी पाई गईं, साथ ही इमारतों का कार्य अधूरा और निवासियों को उनके किराए से वंचित रहना पड़ रहा है। यह जानकारी सामने आने के बाद इन विकासकों को नोटिस जारी कर सुनवाई के लिए तलब किया गया। इनमें से कई विकासकों ने परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थता दर्शाई।

# बच्चा पैदा करने के लिए लिया तांत्रिक का सहारा...पति गिरफ्तार, बाबा फरार

**ठाणे:** कोई फर्क नहीं पड़ता कि तकनीक कितनी आगे बढ़ गई है, बावजूद इसके गाहे-बगाहे समाज से ऐसी खबरें आती रहती हैं, जिनसे पता चलता हैं कि आज भी लोग अवैज्ञानिक और रूढ़वादी परम्पराओं और रीति रिवाजों की जाल में जकड़े हुए हैं। जो वास्तव में सोचने पर मजबूर कर देते हैं। पुणे ग्रामीण के ताजा मामले में बच्चा पैदा करने के लिए काला जादू करने वाले का सहारा लिया गया। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल एक महिला को बच्चा न पैदा होने पर उसके पति और सास ने उसे परेशान किया और इसके इलाज के लिए तांत्रिक का सहारा लिया। तंग आकर 33 वर्षीय महिला ने अपने माता-पिता के साथ अपनी पीड़ा साझा की और वडगांव मावल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शादी के बाद से ही कर रहे थे प्रताड़ित पुलिस ने उसके 36 वर्षीय पति को गिरफ्तार

कर, 55 वर्षीय सास के खिलाफ अंधविश्वास विरोधी कानून के तहत मामला दर्ज किया है। पीड़िता के पति और सास-ससुर ने शादी के बाद से ही उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। शादी में दूल्हे ने दहेज में लग्जरी कार की मांग की। बाद में गर्भ धारण न कर पाने के चलते उसके पति ने तांत्रिक द्वारा दिए गए नींबू को जबरन उसे खिलाया।

शिकायतकर्ता को करने लगे प्रताड़ित पुलिस द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक, शादी में लग्जरी कार न मिलने की वजह से ससुराल वाले उसे परेशान करने लगे थे। इस बीच गर्भ धारण न कर पाने के चलते ससुराल पक्ष शिकायतकर्ता महिला से लगातार दुर्व्यवहार करते रहा। महिला ने गर्भ धारण न कर पाने के लिए मेडिकल चेकअप पर जोर दिया, लेकिन ससुराल पक्ष ने उसके सुझाव को नजरअंदाज कर एक तांत्रिक को बुलाया और उससे काला जादू करने को कहा। शिकायतकर्ता ने अपने माता-पिता को फोन किया और अपनी आपबीती साझा की, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। हर झगड़े के बाद पति करता था पिटाई महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पति ने उसे पीटा और दो दिनों तक टॉयलेट में बंद रखा। शुरूआत में महिला ने अपने पिता को यह नहीं बताया, जिसका पति ने नाजायज फायदा उठाते हुए उसे लगातार प्रताड़ित किया। इतना ही नहीं पति ने कभी भी उसे घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी और ना ही किसी से बात-चीत करने दिया। हर झगड़े के बाद पति उसे बेरहमी से पीटता था, जिससे तंग आकर आखिरकार उसने माता-पिता को अपनी आपबीती सुनाई। तांत्रिक की तलाश शुरू मामले की जांच कर रहे पुलिस निरीक्षक विलास भोसले ने कहा कि पुलिस ने पीड़िता के पति को गिरफ्तार कर लिया है और तांत्रिक की तलाश शुरू कर दी है। महाराष्ट्र मानव बलि और अन्य अमानवीय, बुराई और अघोरी प्रथाओं और काला जादू अधिनियम, 2013 की रोकथाम और उन्मूलन के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच जारी है।

# दशहरा रैली को लेकर शिंदे और ठाकरे गुट में लगी होड़...!

## सफल बनाने की तैयारी में जुटे कार्यकर्ता

**ठाणे :** दशहरा रैली शिंदे गुट और ठाकरे गुट के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। ऐसे में इस रैली को सफल बनाने के लिए दोनों गुटों में होड़ लग गई है। ठाकरे गुट के शिवसैनिक लोकल ट्रेन द्वारा दादर पहुँच कर उसके बाद शिवाजी पार्क तक जायेंगे। जबकि शिंदे गुट ने अपने शिवसैनिकों के लिए बसों की व्यवस्था कर राखी है। साथ ही शिंदे गुट की तरफ से ढाई लाख शिवसैनिकों के खाने का पैकेट बांटा जाने वाला है और इसका ऑर्डर ठाणे के एक मराठी व्यवसाई को दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार विधायक प्रताप सरनाईक को करीब ढाई लाख शिवसैनिकों के लिए फूड स्टेशन से दशहरा रैली में आने वाले शिवसैनिकों के लिए भोजन उपलब्ध कराने की

जिम्मेदारी सौंपी गई है। ठाणे में एक नामी हलवाई से ऐसा खाना बनाने का काम दिया गया है। इस खाने के पैकेट में धापटे, थेपला, कचौरी, गुलाबजाम आदि का समावेश है। सरनाईक ने बताया कि इसके आलावा खिचड़ी, वड़ा पाव, समोसा जैसे खाद्य पदार्थ का लंच बॉक्स बनाया गया है। शिंदे गुट के शिवसैनिक बसों में तो ठाकरे के लोकल ट्रेनों से होंगे शामिल शिंदे गुट की तरफ से दशहरा रैली के लिए 350 बसें ठाणे से रवाना होंगी और 50 हजार शिवसैनिक शामिल होंगे।

# ड्रोन का रिमोट अब पुलिस प्रशासन के हाथ में...!

**मुंबई :** शहर में एक महीने में दो बार सेना के अति संवेदनशील सीमा क्षेत्र में अज्ञात ड्रोन घूमने से सेना सहित सभी सुरक्षा यंत्रणा अलर्ट हो गई है। इसके बाद ड्रोन का रिमोट पुलिस प्रशासन के हाथा दिया गया है। इस पार्श्वभूमी पर पुलिस कमिश्नर जयंत नाईकनवरे ने शहर के 16 स्थान 'नो फ्लाइंग जोन' घोषित किए है। साथ ही शहर में होने वाले सभी ड्रोन अपने कब्जे में लिए है। आवेदन करने पर संबंधितों को अस्थायी रूप से दिए जाएंगे। इस बारे में सभी पुलिस स्टेशन को आदेश दिए गए है। ड्रोन उपयोग के लिए शुल्क अदा कर पुलिस कर्मचारी को अपने साथ लेना होगा। बता दे कि एक महीने में कॉम्बॅट आर्मी एविएशन स्कूल (कॅट्स) और संरक्षण संशोधन और विकास संस्था (डीआरडीओ) परिसर में ड्रोन घुमाया गया था। इसके बाद कॅट्स, डीआरडीओ और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया था। सेना के अधिकारियों के साथ पुलिस प्रशासन ने बैठक लेकर शहर के 16 स्थान नो फ्लाइंग जोन घोषित किए गए। साथ ही शहर में होने वाले पंजीकृत ड्रोन

को कब्जे में लिया गया। संबंधित ड्रोन मालिकों को आवेदन करने पर ड्रोन उपयोग के लिए अस्थायी अनुमति दी जाएगी। इसके लिए शुल्क अदा करने के बाद पुलिसकर्मी साथ में दिया जाएगा। इस बारे में सभी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठों को आदेश जारी किए गए है।

यहां पर है 'नो फ्लाइंग जोन' स्कूल ऑफ आर्टिलरी, देवलाली कैम्प, इंडिया सिक्युरिटी प्रेस, नाशिकरोड, करन्सी नोट प्रेस, जेलरोड, थर्मल पावर स्टेशन, एकलहरे, सरकारी मुद्रणालय, गांधीनगर, श्री कालाराम मंदिर, पंचवटी, एअर फोर्स स्टेशन, बोरगड व देवलाली (साऊथ), कॉम्बॅट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल, गांधीनगर, मध्यवर्ती कारागृह, जेल रोड, किशोर सुधारालय, सीबीएस, महाराष्ट्र पुलिस अकादमी, त्र्यंबकरोड, अपराध अन्वेषण प्रशिक्षण विद्यालय, कॉलेज रोड, आकाशवाणी केंद्र, गंगापुर रोड, पुलिस मुख्यालय और आयुक्तालय, गंगापुर रोड, जिला और सत्र न्यायालय, सीबीएस, रेल स्टेशन नाशिकरोड और देवलाली, महानगरपालिका जलशुद्धीकरण केंद्र।

# विज्ञापन में देवी -देवताओं का इस्तेमाल किए जाने वाले तस्वीर पर लगे रोक

## कंपनी के खिलाफ हो तत्काल कारवाई, भाजपा सांसद बोंडे की मांग

**मुंबई :** नवरात्री त्यौहार के अवसर पर मोची और मेट्रो कंपनी द्वारा दिए जा रहे विज्ञापन में हिंदू देवी देवताओं के इस्तेमाल किए जा रहे तस्वीर पर तत्काल रोक लगाने और दोनों कंपनियों के खिलाफ कारवाई की मांग भाजपा सांसद ने की है. सोमवार को मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा के राज्यसभा सांसद अनिल बोंडे ने कहा कि कंपनियों द्वारा विज्ञापन देवी-देवताओं के तस्वीर इस्तेमाल करने पर हिंदू भाइयों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि सभी हिंदू भाइयों और बहनों से मेरा आव्हान है कि संबंधित कंपनियों के सभी उत्पादों का बहिष्कार करें। मोची और मेट्रो कंपनियों के खिलाफ

कार्रवाई की मांग करते हुए, अनिल बोंडे ने कहा, ''मेट्रो और मोची ने वास्तव में जूते और जूते का विज्ञापन करने के लिए दुर्गा देवी की तस्वीर का इस्तेमाल किया है। यह विज्ञापन कंपनी ने नवरात्रि शुरू होने के बाद से फेसबुक पर दिखाया है। इस विज्ञापन में इस्तेमाल किए गए जूतों में देवी दुर्गा की तस्वीर है। बोंडे ने कहा कि ईमेल द्वारा हमने इन कंपनियों से शिकायत की है लेकिन उनका जवाब अभी तक आया नहीं है इसलिए केंद्र और राज्य सरकार से हमारी मांग है कि इन कंपनियों द्वारा किए जा रहे विज्ञापन पर तत्काल रोक और उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।इसके साथ -साथ जब तक यह कंपनिया सार्वजनिक माफी नहीं मांग लेती तब तक अमरावती जिले में उनके दुकानों को हम खुलने नहीं देंगे।

# अज्ञात वाहन की टक्कर में बाइक चालक की मौत, दो घायल

**बुलढाना :** रस्ते से जा रहे बाइक चालक को पीछे की ओर से तेजी से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी. जिससे एक युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. यह घटना कुंभारी फाटा परिसर में घटी. मिली जानकारी के अनुसार जिले के दगड़वाड़ी निवासी रंगनाथ हिवाले, चंद्रमणि काकडे, रोशनी हिवाले यह तीनों देउलगांव राजा से दगड़वाड़ी की ओर बाइक क्र.एमएच-28 के-2827 पर सवार होकर कुंभारी गांव की ओर जा रहे थे. इस दौरान अज्ञात वाहन ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी.

जिससे चंद्रमणि काकडे की घटना स्थल पर मौत हो गई जबकि अन्य दो गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को उपचार के लिए जालना रेफर किया गया है. इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस कर्मचारी राहुल जाधव व अन्य ने घटना स्थल पर पहुंचकर पंचनामा किया.

# क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का आईपीओ लाने की दिशा में सरकार ने उठाया बड़ा कदम, ड्राफ्ट गाइडलाइंस जारी की




**नयी दिल्ली, एजेंसी।** केंद्र सरकार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के आईपीओ लाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। सरकार ने इसे लेकर दिशा निर्देशों का एक ड्राफ्ट तैयार किया है, जिसमें बताया गया है कि आईपीओ लाने के लिए किसी भी क्षेत्रीय बैंक की नेट वर्थ पिछले 3 सालों में कम से कम 300 करोड़ रुपये होनी चाहिए।

इसके साथ ही ड्राफ्ट में बताया गया है कि आईपीओ लाने के पिछले 3 सालों में कैपिटल एडिक्वेसी हर साल कम से कम 9 प्रतिशत होनी चाहिए। बता दें, सरकार के इस कदम को क्षेत्रीय बैंकों को सशक्त बनाने के रूप में देखा जा रहा है।

**मुनाफा वाले बैंकों को ही मिलेगा आईपीओ लाने का मौका:** वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए गए दिशा-निर्देशों के ड्राफ्ट के मुताबिक, ऐसे क्षेत्रीय बैंक जिन्होंने पिछले पांच सालों के परिचालन में कम से कम तीन साल 15 करोड़ रुपये का ऑपरेटिंग प्रॉफिट कमाया है, उन्हीं बैंकों को आईपीओ लाने की अनुमति दी जाएगी। इसके साथ ही कहा गया है कि पांच में से तीन सालों में बैंक का रिटर्न ऑन इक्विटी 10 प्रतिशत होना चाहिए।

**स्पॉन्सर बैंक को निभानी होगी बड़ी भूमिका:** ड्राफ्ट किए गए दिशा-निर्देशों में बताया गया है कि क्षेत्रीय बैंक के आईपीओ को लाने की जिम्मेदारी स्पॉन्सर बैंक की होगी। वह आईपीओ से संबंधित सेबी के सभी नियम और आरबीआइ के पूंजी जुटाने के सभी नियमों का क्षेत्रीय बैंकों से पालन करवाएगा। क्षेत्रीय बैंक देश में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

**क्षेत्रीय बैंकों में हिस्सेदारी:** मौजूदा समय में केंद्र सरकार के पास क्षेत्रीय बैंकों में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जबकि 35 प्रतिशत स्पॉन्सर बैंक के पास और 15 प्रतिशत राज्य सरकार के पास है। देश में फिलहाल 43 से ज्यादा क्षेत्रीय बैंक हैं, जिन्हें 12 पब्लिक सेक्टर बैंकों की ओर से स्पॉन्सर किया जाता है। इनकी देश के 26 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 21,856 ब्रांच हैं।

# शोरूम से घर ले आएं कार इस साल, पैसा चुकाएं अगले साल! इस जापानी कार कंपनी ने निकाला ऑफर



**नई दिल्ली एजेंसी।** अगर आपको नई कार खरीदनी है और जेब में रुपये नहीं हैं तो परेशान न हों। आपको बस शोरूम जाना है और चमचमाती शानदार कार लेकर घर आ जाना है। कार का पेमेंट आपको अगले साल करना होगा। एक कार कंपनी ने ये शानदार ऑफर निकाला है। कार कंपनी को इससे फेस्टिव सीजन में कार की बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। चलिए आपको बताते हैं इस ऑफर के बारे में।

**इस कंपनी ने निकाला ऑफर:** ये ऑफर होंडा कार्स इंडिया की ओर से निकाला गया है। कंपनी ने ड्राइव इन 2022, पे इन 2023 नाम से इस ऑफर को पेश किया है। इसके लिए कंपनी ने कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने अभी ये ऑफर अपनी होंडा अमेज और होंडा सिटी कार के सभी वेरिएंट के लिए निकाला है। ग्राहकों के पास ड्राइव इन 2022, पे इन 2023 की अभिनव योजना का लाभ उठाने का विकल्प होगा, जिससे वे 2022 में होंडा कार खरीद सकेंगे और वर्ष 2023 से नियमित ईएमआई का भुगतान कर सकेंगे।

**31 तारीख तक उठा सकते हैं फायदा:** कंपनी की ओर से ये ऑफर 31 अक्टूबर 2022 तक के लिए पेश किया गया है। इस ऑफर में पहले तीन महीनों के लिए कोई ईएमआई नहीं देनी होगी। वहीं आपको कार की ऑन-रोड कीमत का 85 फीसदी तक फाइनेंस के लिए उपलब्ध होगा। इसके बाद चौथे महीने से आपकी ईएमआई शुरू होगी। कंपनी को अपनी कारों की बिक्री इस फेस्टिव सीजन में बढ़ने की उम्मीद है।

**कार खरीद को आसान बनाया:** कंपनी के मुताबिक, इस ऑफर के माध्यम से वह लोगों के लिए नई कार को खरीदना आसान बना रही है। कई लोग ऐसे हैं जिनके पास अभी रुपये नहीं हैं और वो कार खरीदना चाहते हैं। इस ऑफर के जरिए वो अभी कार खरीद सकते हैं और अपने सपनों को सच कर सकते हैं।

**देश में प्रीमियम कारें बनाती है कंपनी:** होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड देश में प्रीमियम कारों की एक अग्रणी निर्माता है। इस कंपनी की स्थापना दिसंबर 1995 में हुई थी। कंपनी की होंडा सिटी और होंडा अमेज लोगों को खूब पसंद आती हैं।

# स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन ने शुरू किया कुशाक का निर्यात

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** वाहन विनिर्माता स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) ने मध्यम आकार के स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) कुशाक का निर्यात शुरू कर दिया है।

कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा, अरब खाड़ी सहयोग परिषद (एजीसीसी) के सदस्य देशों के लिए बाएं हाथ से चलने वाले कुशाक मॉडल का निर्यात शुरू कर दिया है।

ŠKODA

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया ने पिछले महीने अपने फॉक्सवैगन टाइगुन और वर्टस कारों का निर्यात करना शुरू किया था।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन समूह के पांच ब्रांडों - स्कोडा, फॉक्सवैगन, ऑडी, पोर्श और लेम्बोर्गिनी के भारतीय क्षेत्र का प्रबंधन करती है।

एसएवीडब्ल्यूआईपीएल के प्रबंध निदेशक पीयूष अरोड़ा ने एक बयान में कहा, स्कोडा कुशाक इस साल निर्यात की जाने वाली तीसरी भारत-निर्मित कार है। हमारे सभी निर्यातों की बाजार स्वीकृति और सफलता हमारे वैश्विक गुणवत्ता मानकों को उजागर करती है।

# घरों की बिक्री में आया उछाल, जनवरी से सितंबर के बीच 87 प्रतिशत बढ़ी सेल

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** देश के सात प्रमुख शहरों में इस साल जनवरी-सितंबर के दौरान घरों की बिक्री 87 प्रतिशत बढ़कर 2,72,709 इकाई पर पहुंच गई। एनाराक की रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत मांग के साथ इस अवधि की आवासीय बिक्री कोरोना की शुरुआत से पहले वर्ष 2019 में हुई कुल बिक्री से अधिक है।

**जनवरी-सितंबर की अवधि में आवास बिक्री:** 2021 की जनवरी-सितंबर की अवधि में आवास बिक्री 1,45,651 इकाई की रही थी। संपत्ति सलाहकार एनाराक प्रमुख आवास ब्रोकरेज कंपनियों में से एक है। कंपनी देश के सात प्रमुख शहरों यानी दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर), चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे की प्राथमिक बिक्री की निगरानी करती है।

# त्योहारी मौसम में गाड़ी खरीदने की है तैयारी, जानिए कहां मिल रहा है सबसे सस्ता कार लोन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** त्योहारी सीजन में लोग नई गाड़ी खरीदना पसंद करते हैं। इस मौके पर बैंक भी ग्राहकों को कार लोन पर तरह-तरह के विकल्प देते हैं। अमूमन कार लोन तीन से पांच साल की अवधि के लिए होता है। लेकिन कुछ बैंक सात साल के लिए भी ऑटो लोन देते हैं। जाहिर है कि लोन की अवधि लंबी होने पर उसकी किस्त यानी श्श्ब्लू कम हो जाती है। लेकिन ज्यादा अवधि के लिए लोन लेने पर आपको ज्यादा ब्याज देना पड़ता है। समस्या यह है कि कार जितनी पुरानी होगी उसकी कीमत उतनी की कम होती जाएगी। इसलिए लंबी अवधि के लिए लोन लेना समझदारी नहीं है। दूसरी ओर कम अवधि के लिए लोन लेने पर ईएमआई ज्यादा होगी। कार लोन पर कई तरह की शर्तें भी होती हैं। उदाहरण के लिए कुछ बैंक कार की एक्स-शो रूम कीमत के बराबर लोन देते हैं जबकि क्ुछ बैंक 80 फीसदी तक लोन देते हैं।

# 6 साल के बच्चे की बलि चढ़ा दी

## आरोपियों ने बताई सपने और बलि की कहानी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली में दो युवकों ने 6 साल के मासूम की गला रेतकर हत्या कर दी। घटना लोधी कॉलोनी एरिया में सीआरपीएफ हेडक्वार्टर्स की कंस्ट्रक्शन साइट पर शनिवार रात को हुई। आरोपियों ने हत्या करने से पहले गांजा पिया था। उन्होंने अपना गुनाह कबूल कर लिया और पुलिस को सपने, शिव और बलि की कहानी सुनाई। पुलिस ने जिन दो युवकों को गिरफ्तार किया है, उनके नाम विजय और अमन हैं। दोनों बिहार के रहने वाले हैं और कंस्ट्रक्शन साइट पर सीमेंट कटर का काम करते हैं। जिस बच्चे की हत्या की गई, उसका नाम धर्मेंद्र है। धर्मेंद्र के पिता अशोक भी मजदूर हैं। वे यूपी के बरेली के रहने वाले हैं। जिस कंस्ट्रक्शन साइट पर सभी लोग काम करते थे, वहां रात को भजन चल रहे थे। महिलाएं और अशोक भी इसमें शामिल थे। आरोपी विजय गांजा पीने के बाद यहां पहुंचा। उसने शिव की पूजा के लिए धूप मांगी, लेकिन महिला ने धूप देने से मना कर दिया। इसके बाद वह अपनी झुग्गी में लौट आया। विजय ने पुलिस से कहा कि हम लोगों ने शिव का प्रसाद खाया था। इसके बाद उसे सपना आया कि भगवान शिव बच्चे की बलि मांग रहे हैं। रात करीब साढ़े दस बजे 6 साल का धर्मेंद्र अकेला दिखा। विजय और अमन को बच्चा जानता था। इसी का फायदा उठाकर आरोपी उसे अपनी झुग्गी में ले गए। सब्जी काटने वाले चाकुओं से बच्चे का गला रेत दिया।

# पुतिन के कदमों से तेल और गैस बाजार और प्रभावित हो सकता है

**कीव (एजेंसी)।**

यूक्रेन की सेना का खारकीव में मुकाबला करने के लिए 300,000 आरक्षित बलों को तैनात करने के रूस के प्रयास ने सैन्य एवं राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान आकर्षित किया है। हालांकि इसमें एक संभावित ऊर्जा कोण भी है। रूस और यूरोप के बीच ऊर्जा संघर्ष बढ़ रहा है और सर्दियों के करीब आने के साथ ही इसके और बढ़ने की आशंका है। कोई यह मान सकता है कि ऊर्जा कार्यकर्ता, जो ईंधन और निर्यात राजस्व प्रदान करते हैं, जिसकी रूस को सख्त जरूरत है, युद्ध के प्रयास के लिए बहुत मूल्यवान हैं।

अब तक, बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी कर्मचारियों को अपनी नौकरी में बने रहने के लिए आधिकारिक अनुमति मिली है। तेल और गैस श्रमिकों के लिए स्थिति स्पष्ट नहीं है। रूसी मीडिया में इसको लेकर अटकलें चल रही हैं कि क्या इस क्षेत्र के लोगों को युद्ध के वास्ते तैनाती के लिए लक्षित किया जाएगा या नहीं। किसी भी तरह से, मुझे आशंका है कि युद्ध के अगले चरण तक रूस का तेल और गैस संचालन क्षेत्र अस्थिर होगा। सितंबर 2022 में

हुए विस्फोटों से रूस से यूरोप तक नॉर्ड स्ट्रीम एक और दो गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी और इसमें तोड़फोड़ की आशंका है।

यह घटना इस जटिल और अस्थिर क्षेत्र में नवीनतम घटना हैं। वैश्विक ऊर्जा नीति के एक विश्लेषक के रूप में, मुझे उम्मीद है कि ऊर्जा आपूर्ति में और व्यवधान हो सकते हैं। इसमें क्रेमलिन द्वारा यूरोपीय सरकारों पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए सीधे आदेश के जरिये या नये तोड़फोड़ के परिणामस्वरूप, या विशेष उपकरणों और प्रशिक्षित रूसी जनशक्ति की कमी की वजह से दुर्घटनाएं या व्यवधान हो सकता है। रूस ने उन यूरोपीय देशों पर दबाव बनाने के प्रयास में यूरोप में प्राकृतिक गैस की खेप को काफी कम कर दिया है, जो यूक्रेन का पक्ष ले रहे हैं।

मई 2022 में, सरकार के स्वामित्व वाली ऊर्जा कंपनी गैजप्रोम ने एक प्रमुख पाइपलाइन को बंद कर दिया, जो बेलारूस और पोलैंड से होकर गुजरती है। जून में, कंपनी ने नॉर्ड स्ट्रीम एक पाइपलाइन के माध्यम से जर्मनी को आपूर्ति कम कर दी। इसकी क्षमता 17 करोड़ घनमीटर प्रति दिन थी, जिसे घटाकर मात्र चार करोड़ घनमीटर प्रति दिन कर दिया गया। कुछ महीने बाद, गैजप्रोम ने घोषणा की कि नॉर्ड स्ट्रीम एक को मरम्मत की आवश्यकता है और इसे पूरी तरह से बंद कर दिया।

अब अमेरिका और यूरोपीय नेताओं का आरोप है कि रूस ने यूरोपीय ऊर्जा आपूर्ति को और बाधित करने के लिए जानबूझकर पाइपलाइन को नुकसान पहुंचाया है। पाइपलाइन विस्फोट ऐसे समय हुआ, जब नॉर्वे से पोलैंड तक एक प्रमुख नयी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन की शुरुआत की गई। रूस के पास बहुत सीमित वैकल्पिक निर्यात अवसंरचना है, जो साइबेरियाई प्राकृतिक गैस को चीन जैसे अन्य ग्राहकों को स्थानांतरित कर सकती है, इसलिए अधिकांश गैस जो आमतौर पर यूरोप को बेची जाती है, उसे अन्य बाजारों में स्थानांतरित नहीं किया जा सकता।

# कनाडा के अधिकारियों ने ब्रैम्पटन शहर में श्री भगवद गीता पार्क में तोड़फोड़ से इनकार किया

**कोरिया। (एजेंसी)।**

टोरंटो। कनाडा के अधिकारियों ने ब्रैम्पटन शहर में हाल में उद्घाटित किए गए 'श्री भगवद गीता' पार्क में तोड़फोड़ की घटना से इनकार किया है और स्पष्ट किया है कि कथित खाली जगह को मरम्मत कार्य के दौरान छोड़ा गया था। भारत द्वारा घटना की निंदा किए जाने और शहर के प्रशासन से इस संबंध में त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किए जाने के कुछ देर बाद अधिकारियों की यह प्रतिक्रिया सामने आई है। इस पार्क को पहले ट्रॉयर्स पार्क के नाम से जाना जाता था और बाद में इसका नामकरण श्री भगवद गीता पार्क किया गया जिसका उद्घाटन 28 सितंबर को किया गया था। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त ने रविवार को ट्वीट किया, ''हमलोग ब्रैम्पटन में श्री भगवद गीता पार्क में घृणा अपराध की निंदा करते हैं। हम कनाडा के अधिकारियों और पुलिस से मामले की जांच करने और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई का अनुरोध करते हैं।'' ब्रैम्पटन के महापौर पैट्रिक ब्राउन ने रविवार रात को ट्विटर पर मामले में सफाई दी। ब्रैम्पटन कनाडा के ओंटारियो प्रांत में एक शहर है। ब्राउन ने ट्वीट किया, ''हाल में उद्घाटन किए गए भगवद गीता पार्क में तोड़फोड़ से संबंधित कल की रिपोर्ट के बाद हमने मामले में जांच के लिए त्वरित कार्रवाई की। हमें पता चला कि बिल्डर ने वह कथित जगह छोड़ी थी ताकि वहां श्री भगवद गीता पार्क के स्थायी निशान को लगाया जा सके।'' ब्राउन ने यह मुद्दा उठाने के लिए भारतीय समुदाय का धन्यवाद किया और कहा, ''हमें खुशी है कि यह मुद्दा सामने आया। यह मुद्दा हमारे ध्यान में लाने और ब्रैम्पटन को एक सुरक्षित एवं समावेशी जगह बनाने के लिए हम समुदाय (भारतीय) का धन्यवाद करते हैं।'' उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''खाली जगह मरम्मत के दौरान छोड़ी गई थी। यह कोई आम प्रक्रिया नहीं है क्योंकि हम तब तक कोई निशान नहीं हटाते हैं जब तक कि वह क्षतिग्रस्त नहीं हो जाए या उसका नाम नहीं बदला जाए।''

# ईरान के सर्वोच्च नेता ने हिजाब के खिलाफ जारी प्रदर्शनों पर चुप्पी तोड़ी, अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया

**दुबई। (एजेंसी)।**

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने हिजाब के खिलाफ देशभर में जारी विरोध-प्रदर्शनों पर सोमवार को चुप्पी तोड़ी और हिंसक दंगों की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनों की साजिश में अमेरिका और इजराइल का हाथ है। खामनेई ने ईरान की धर्माचार पुलिस की हिरासत में 22 वर्षीय महसा अमीनी की मौत को ''दुखद घटना'' करार दिया। गौरतलब है कि कथित तौर पर हिजाब ठीक से नहीं पहनने के चलते धर्माचार पुलिस ने अमीनी को हिरासत में लिया था और बाद में उनकी मौत के बाद देशभर में विरोध-प्रदर्शन होने लगे।

खामनेई ने विरोध-प्रदर्शनों को ''विदेशी साजिश'' करार देते हुए इसकी निंदा की और दावा किया कि इसका इरादा ईरान को अस्थिर करना है। तेहरान में पुलिस प्रशिक्षुओं के कैडर को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''यह सुनियोजित दंगे थे। मैं स्पष्ट रूप से कहना

चाहता हूं कि इन दंगों के पीछे अमेरिका और यहूदी शासन का हाथ था।'' महसा अमीनी की हिरासत में मौत की घटना के तीन सप्ताह बाद भी देश भर में हिजाब विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। ईरान सरकार इन प्रदर्शनों को लेकर बेहद कड़ा रुख अपना रही है।

# पाकिस्तान में बलूचों के अटैक से घबराया चीन, विद्रोह को दबाने के लिए चली नई चाल

**बीजिंग। (एजेंसी)।**

पाकिस्तान को आर्थिक गुलाम बनाने की ओर तेजी से बढ़ रहे चीन ने अपने खिलाफ बलूचिस्तान में चल रहे विद्रोह की आवाज दबाने के लिए अब उइगर मुस्लिमों वाली चाल चलनी शुरू की है। चीन यूएई समेत खाड़ी के मुस्लिम देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे बलूच कार्यकर्ताओं को पाकिस्तान को सौंप दें। बलूच विद्रोही चीन के सीपीईसी परियोजना का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने पिछले कुछ माह में कई चीनी नागरिकों की हत्या कर दी है।

बलूचों के हमले रोकने के लिए पाकिस्तानी सेना बलूचों का दमन करने में लगी है। उन्हें जबरन जेल में डाला जा रहा है।

चीन इस तरह की हरकत उइगर मुस्लिमों के साथ कर रहा है। चीन दुनियाभर के देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे अपने यहां रह रहे उइगर विद्रोहियों को उसे सौंप दें। ह्यूमन

राइट्स काउंसिल ऑफ बलूचिस्तान के अब्दुल्ला अब्बास के मुताबिक सन 2018 में चीन के कराची स्थित काउंसलेट पर हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात ने बलूच कार्यकर्ता राशिद हुसैन को पाकिस्तान को सौंप दिया था। यही नहीं पाकिस्तान भेजने से पहले राशिद को सबसे अलग थलग करके संपर्क रहित कर दिया था। अब्बास ने बताया कि यह चीन का दबाव हो सकता है जिसकी वजह से यूएई ने यह कदम उठाया।

यही नहीं अब्दुल्ला ने बताया कि यूएई की खुफिया एजेंसी ने हुसैन के एक अन्य रिश्?तेदार को भी अरेस्ट कर लिया और उन्हें भी जबरन पाकिस्तान भेज दिया। अब्बास ने कहा, हमारे पास पर्याप्त साक्ष्य हैं कि चीन लगातार खाड़ी के देशों पर दबाव डाल रहा है। इसमें यूएई भी शामिल है। चीन उन बलूच कार्यकर्ताओं को पाकिस्तान को सौंपने के लिए कह रहा है जो चीनी निवेश का विरोध कर रहे हैं।

बलूच विद्रोहियों का कहना है कि चीन प्राकृतिक संसाधनों से भरे बलूचिस्तान और सिंध प्रांत में शोषण कर रहा है। बलूचों के हमलों से चीन टेंशन में है और पिछले दिनों उसने अपनी चीनी 'सेना' को तैनात करने के लिए पाकिस्तान पर दबाव डाला था। पाकिस्तान ने चीनी नागरिकों की सुरक्षा को बढ़ाया है।

# जापान के प्रधानमंत्री ने चर्च विवाद के बीच फिर से भरोसा हासिल करने की प्रतिबद्धता जताई

**तो यो। (एजेंसी)।**

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने सोमवार को कहा कि उनकी सत्ताधारी पार्टी के कट्टर रूढ़िवादी यूनिफिकेशन चर्च से दोस्ताना संबंधों की आलोचना कर रहे लोगों की 'कड़वी बातों' को भी वह विनम्रता से सुनेंगे। उन्होंने कहा कि कथित धोखाधाड़ी और बड़ी मात्रा में चंदा एकत्र किये जाने से पीड़ित हुए लोगों की वह मदद करेंगे। किशिदा उस बड़े घाटाले को लेकर आलोचनाओं से घिर गये हैं जिसने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और यूनिफिकेशन चर्च के बीच दशकों पुराने नजदीकी संबंध का खुलासा कर दिया।

शिंजो आबे की गत जुलाई में हत्या कर दी गई थी। यूनिफिकेशन चर्च पर आरोप है कि उसने अपने से जुड़े लोगों को बरगला कर बड़ी मात्रा में चंदा एकत्र किया। किशिदा ने अबे का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करके देश की जनता की राय को विभाजित किर दिया। लेकिन विपक्षी दल ने यह कहकर हमला किया है कि इसे राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने के लिए शुरुआती परंपरा के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसका कोई स्वीकार्य कानूनी आधार नहीं है और ना ही संसदीय चर्चा हुई है। सत्ताधारी दल और चर्च के बीच गठजोड़ के पीछे आबे को अब सबसे अहम व्यक्ति के रूप में देखा जा रहा है। किशिदा को अपनी सरकार की प्रमुख नीतियों को लेकर जनता के भरोसे को फिर से हासिल करने की बहुत जरूरत है जिनमें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति शामिल है जिसमें सुरक्षात्मक युद्धक क्षमता हासिल करने की बात शामिल है। लेकिन आलोचकों का कहना है कि यह सौहार्दपूर्ण संविधान का उल्लंघन हो सकता है। किशिदा सरकार की योजना वर्ष 2011 के फुकुशिमा परमाणु आपदा के बावजूद परमाणु ऊर्जा को फिर से बढ़ावा देने की है ताकि कार्बन कटौती और ऊर्जा आपूर्ति की जरूरतों को पूरा किया जा सके। संसद के 69 दिवसीय सत्र की शुरआत पर अपने भाषण में किशिदा ने कहा, ''मैं यूनिफिकेशन चर्च से अपने संबंधों को लेकर लोगों की टिप्पणी का सीधे तौर पर समना करता हूं।''

किशिदा ने वादा किया कि वह चर्च के संदिग्ध कारोबार और चंदा एकत्र करने से पीड़ित होने वालों की मदद के लिए पूरा प्रयास करेंगे और विधिक सलाह देने के लिए सरकार की ओर से हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी। आबे की हत्या में शामिल संदिग्ध ने कथित रूप से पुलिस से कहा था कि उसने पूर्व प्रधानमंत्री को इसलिए निशाना बनाया था कि उनके चर्च के साथ संबंध थे, जिसने उनकी मां का काफी अधिक पैसा ले लिया था जिससे उसका परिवार दिवालिया हो गया और उसका जीवन बर्बाद हो गया।

# इमरान खान अवमानना कार्यवाही से बचे, अदालत ने कारण बताओ नोटिस लिया वापस

**इस्लामाबाद। (एजेंसी)।**

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अवमानना की कार्यवाही से बच गए। दरअसल, यहां की एक अदालत ने एक महिला न्यायाधीश को धमकी देने से जुड़े एक मामले में उन्हें जारी किया गया कारण बताओ नोटिस वापस ले लिया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के प्रमुख खान (69) सोमवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए, जहां मामले की सुनवाई पांच सदस्यीय वृहद पीठ ने की। पीठ के अध्यक्ष इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्ला थे।

पीठ के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कयानी, मियांगुल हसन औरंगजेब, तारिक महमूद जहांगीरी और बाबर सत्तार शामिल थे। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश मिनाल्ला ने कहा कि पीठ खान की माफी और आचरण से संतुष्ट है। खान ने अपने सहयोगी शहबाज गिल के साथ किये गये बर्ताव को लेकर 20 अगस्त को इस्लामाबाद में एक रैली के दौरान शीर्ष पुलिस अधिकारियों, चुनाव आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामले दर्ज कराने की धमकी दी थी। गिल को राजद्रोह के आरोपों में गिरफ्तार किया था। उन्होंने गिल की दो दिनों की हिरासत की मंजूरी देने वाली अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी के बारे में कहा था कि उन्हें (न्यायाधीश को) खुद को तैयार करना चाहिए, क्योंकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उनके भाषण के कुछ ही घंटे बाद, खान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। रैली में पुलिस, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थानों को धमकी देने को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

# 'आदिपुरुष' का आज लांच होगा थ्रीडी टीजर, सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाओं का पोस्टमार्टम शुरू

निर्देशक ओम राउत की फिल्म 'आदिपुरुष' का टीजर को राम जन्मभूमि अयोध्या में भव्य तरीके से 2 अक्टूबर को लॉन्च किया गया। इस अवसर पर फिल्म के निर्देशक ओम राउत, निमार्ता भूषण कुमार, प्रभास और कृति सेनन मौजूद रहीं। टीजर रिलीज के बाद बड़ी संख्या लोग आलोचना कर रहे हैं। फिल्म के मेकर का मानना है कि टीजर टूडी में रिलीज किया गया है शायद इसलिए लोगों को टीजर पसंद नहीं आया, इस लिए आज मुंबई में टी सीरीज के ऑफिस में दोपहर 1.30 मिनट पर इस फिल्म का टीजर थ्रीडी में रिलीज करके इस बात पर चर्चा

की जाएगी कि आखिर फिल्म के टीजर को क्यों पसंद नहीं किया जा रहा है ? इस अवसर पर फिल्म के निर्देशक ओम राउत और निमार्ता भूषण कुमार मीडिया से टीजर पर चर्चा करेंगे।

'आदिपुरुष' को लेकर दर्शकों में पहले बहुत ज्यादा उत्साह था। इस फिल्म के टीजर को राम जन्मभूमि अयोध्या में बड़े ही धूम धाम से लांच किया गया। लेकिन फिल्म का टीजर देखकर दर्शको का उत्साह कम पड़ गया। सोशल मीडिया पर इस फिल्म को खूब ट्रोल किया जा रहा है। फिल्म के वीएफएक्स और स्टारकास्ट के लुक पर तरह-तरह के मीम्स बनाकर लोग फिल्म की आलोचना कर रहे हैं। लोगों को समझ नहीं आ रहा कि इसे एनिमेटेड मूवी के रूप में देखें या फिर वीडियो गेम समझकर देखें। कुछ लोगों ने तो इस टीजर को देखकर इसे 'टेम्पल रन' भी कहा है।

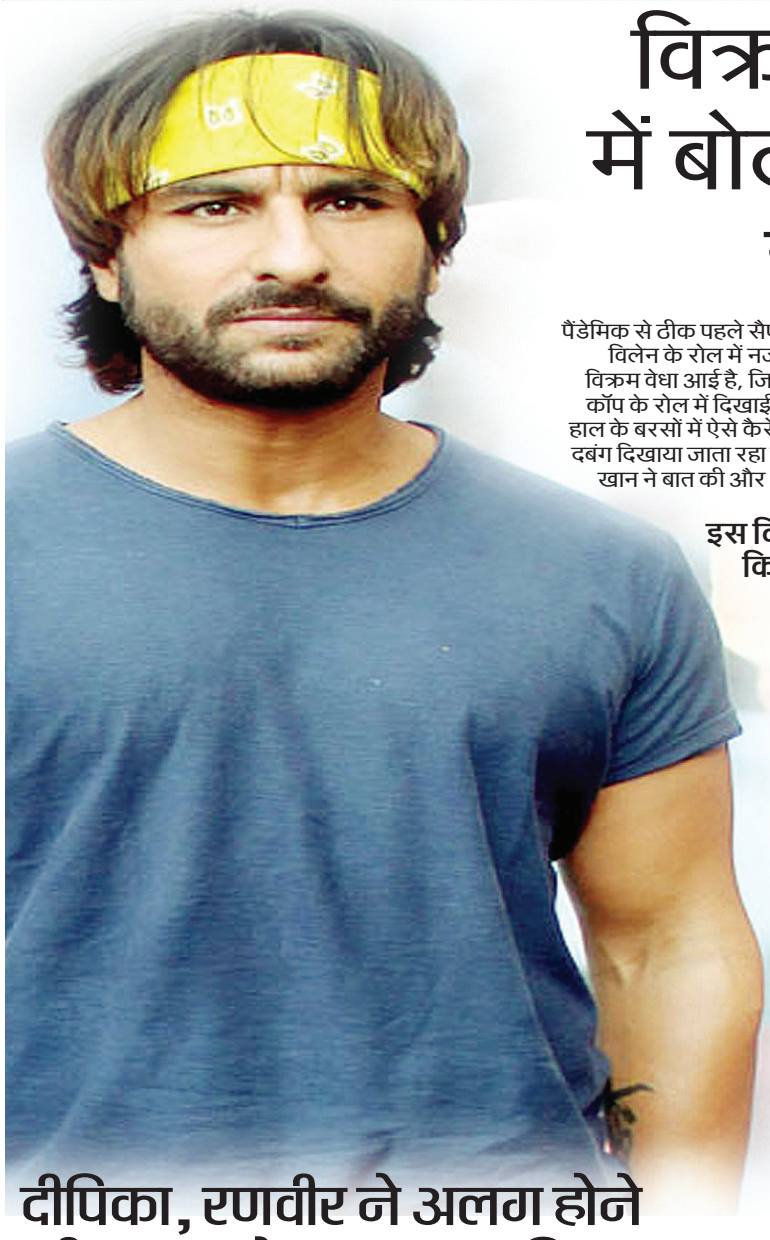

# विक्रम वेधा में अपने कैरेक्टर के बारे में बोले सैफ अली खान– इसकी खूबी है कि ये एक ड्राई ऑनेस्ट कॉप है

पैंडेमिक से ठीक पहले सैफ अली खान तान्हाजी में विलेन के रोल में नजर आए थे। अब सैफ की विक्रम वेधा आई है, जिसमें वो एक ड्राई ऑनेस्ट कॉप के रोल में दिखाई दे रहे हैं। हिंदी फिल्मों में हाल के बरसों में ऐसे कैरेक्टर्स को जरा करप्ट या दबंग दिखाया जाता रहा है। इस बारे में सैफ अली खान ने बात की और अपने कैरेक्टर के बारे में बताया।

## इस किरदार की खूबी है कि ये ड्राई ऑनेस्ट है

विक्रम वेधा को लेकर सैफ कहते हैं, मेरे साथ कई बार ऐसा होता रहा है, जब मैं सक्सेसफुल नहीं था, तब मुझे पूरे आत्मविश्वास के साथ सेट पर जाना पड़ता था। इस किरदार की खूबी है कि ये ड्राई ऑनेस्ट है। वरना फिल्म अब तक छप्पन से जो कॉप आते रहे हैं, उनके एथिक्स सवालों के घेरे में रहे हैं। यहां वैसा नहीं था, मेकर्स का वो नजरिया मुझे पसंद आया था।

## हर फिल्म में मुझे कुछ नया सोचने को मिलता है

सैफ अली खान ने इस फिल्म में वही रोल प्ले किया, जो आर माधवन ने ओरिजिनल फिल्म में निभाया था। इस बारे में बात करते हुए सैफ कहते हैं, मुझे ओरिजिनल फिल?म में माधवन का काम बहुत पसंद आया था। रहा सवाल मेरे फेज का तो मैं जब भी अलग सेलेब्स के साथ काम करता हूं, तब मुझे कुछ नया सोचने को मिलता है। पहले जो फिल्में करता था तब सेट से वापस आने पर पिज्जा बनाकर खाता और सुकून से रहता था। पर अब जब शाहरुख या ऋतिक के साथ काम करता हूं, तो घर वापस आकर फिल्म के बिजनेस आस्पेक्ट के बारे में सोचता हूं। सेक्रेड गेम्स, तान्हाजी हो या विक्रम वेधा तीनों में मेरे कैरेक्टर्स एकदम अलग रहे हैं और ये मेरे लिए बहुत अच्छी बात है।

## सैफ ने की खुद को लेकर बने परसेप्शन पर बात

सैफ बातचीत के दौरान खुद को लेकर बने परसेप्शन को भी क्लियर करते हुए कहते हैं, मैंने करियर में कई 2 लीड वाली फिल्में की हैं। कइयों में मैंने 3 लीड भी किए हैं। ऐसे में इंडस्ट्री और लोगों को लगने लगा कि ये तो सेक्योर एक्टर है। उन दिनों शायद मुझे फर्क भी नहीं पड़ता था, क्योंकि तब इस इंडस्ट्री में मैंने अलग तरह से एंट्री ली थी। एक बार तो ऐसा समय भी आया, जब मुझे लगा कि मैं इस फील्ड में क्यों हूं? हालांकि इसके साथ-साथ मेरी ग्रोथ भी होती रही। मुझे दिलचस्प रोल मिलते रहे, मगर आप गहराई में जाएं तो हर एक्टर इनसेक्योर होता है। वो बस सेक्योर होने की एक्टिंग करता है। फिर जब विक्रम वेधा जैसी स्क्रिप्ट और वैसे डायरेक्टर मिले तो अब जा कर मैं सेक्योर फील करने लगा।

## मैं हमेशा से खुले दिमाग का रहा हूं

रीमेक फिल्मों का भविष्य बेहतर रहने के सवाल को भी सैफ सही मानते हैं। इस बात पर तर्क देते हुए वो कहते हैं, अगर आप मैकबेथका उदाहरण लें, तो उसके भी अब तक कई वर्जन आ चुके हैं और आगे भी आते रहेंगे, क्योंकिहमें और ऑडियंस को उसके लेटेस्ट इंटरप्रेटेशन की जरूरत होती है। साथ ही साउथ की रीमेक की पॉपुलर परंपरा तो रही ही है। 30 साल पहले जब मैंने करियर शुरू किया था, तब से ये ट्रेडिशन रहा है। रहा सवाल खुद को तीन दशक के बाद भी रिलेवेंट रखने का तो उसका जवाब खैर मेरे पास नहीं है। इतना जरूर कह सकता हूं कि नई चीजों का मेरे पास एक्सपोजर रहा है। मैं हमेशा से खुले दिमाग का रहा हूं।

## सोच ताजा रखोगे तो इंसान रिलेवेंट न रहता है

सैफ आगे कहते हैं कि शाहरुख हमेशा उनसे कहते हैं कि लोग पुराने नहीं होते। उनके ख्याल पुराने होते जाते हैं। सोच ताजा रखोगे तो इंसान रिलेवेंट बना रहता है। जैसे मैंने सेक्रेड गेम्स एक्सेप्ट की थी, तो मेरी वाइफ करीना को किसी ने कहा कि अरे सैफ अब टीवी करेंगे। जबकि वहां समझने की जरूरत थी कि सेक्रेड गेम्स टीवी नहीं ओटीटी पर आ रही थी। तो ऐसी एप्रोच रखकर मैंने खुद को रेलेवेंट रखा है।

# दीपिका, रणवीर ने अलग होने की अफवाहों पर लगाया विराम

बॉलीवुड स्टार जोड़ी दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने सोशल मीडिया पर फ्लर्टी एक्सचेंज शेयर कर अलग होने की सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है। अपने अलग होने की अटकलों पर पूर्ण विराम लगाते हुए दीपिका ने कमेंट सेक्शन पर एक फ्लर्टी मैसेज भेजा। उन्होंने लिखा, खाने योग्य। इस पर रणवीर ने मुस्कुराते हुए और किस इमोजी के साथ जवाब दिया। यह पहली बार नहीं है जब दीपिका और रणवीर ने सोशल मीडिया पर पीडीए पर कमेंट किया हो। पावर कपल एक-दूसरे के लिए सोशल मीडिया पर तस्वीरें और प्यार भरे कमेंट्स शेयर करते रहते हैं। रणवीर और दीपिका ने दिसंबर 2018 में संजय लीला भंसाली की गोलियों की रासलीला.. राम-लीला के सेट पर एक-दूसरे के प्यार में पड़ने के बाद शादी के बंधन में बंध गए। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी।

# अनुपम खेर की 532वीं फिल्म से डेब्यू करेंगे गुरु रंधावा

लोकप्रिय पंजाबी गायक गुरु रंधावा अभिनय की दुनिया में कदम रखने और अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर की 532वीं फिल्म से डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर गुरु के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की। उनकी पीठ कैमरे की तरफ है क्योंकि दोनों फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं। अनुभवी स्टार ने गायक के ट्रैक हाई रेटेड गबरू को भी बैकग्राउंड में बजते हुए सुना जा सकता है। उन्होंने इसे कैप्शन दिया, मैं अपनी 532वीं स्क्रिप्ट पढ़ रहा हूं और यह उनकी पहली है! भले ही वह पहले से ही एक सुपर स्टार हैं। देवियों और सज्जनो! पेश है गुरुरंधावा – अभिनेता! उन्हें अपना प्यार और आशीर्वाद दें! जय माता दी! उसी तस्वीर को साझा करते हुए, गुरु ने लिखा, मैं इससे बेहतर लॉन्च के लिए नहीं सोच सकता था। मैं अपनी पहली स्क्रिप्ट पढ़ रहा हूं और यह उनकी 532वीं है। उन्होंने कहा, मैं एक नया कलाकार हूं और खेरसाब एक लीजेंड हैं (सर ये कहलाना पसंद नहीं करते)। आप लोग एक गायक के रूप में मेरे लिए बहुत उदार और दयालु रहे हैं। अब मुझे एक अभिनेता के रूप में अपनी नई यात्रा में आपके प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है। मैं बहुत मेहनत करने का वादा करता हूं! मैं इससे बेहतर लॉन्च के लिए नहीं सोच सकता था। रब राखा!

# कान के असहनीय दर्द को तुंरत दूर करते हैं ये नुस्खे

कान में दर्द होने पर काफी परेशानी होती है। सर्दी-जुकाम या किसी और वजह से कान में दर्द हो सकता है। कई बार तो यह पीड़ा काफी हल्की होती है लेकिन कई बार इससे काफी तेज दर्द होता है जिसे सहना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कुछ घरेलू उपाय अपनाकर इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

**1. लहसुन**

जब कान में तेज दर्द होने लगे तो लहसुन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीबायोटिक और एंटीसेप्टिक गुण कान दर्द की समस्या को दूर करता है। इसके लिए थोडे़-से सरसों के तेल में लहसुन की 2-3 कलियां डालकर गर्म करें और तेल जब ठंडा हो जाए तो 2-3 बूंदे कान में डाल लें।

**2.तुलसी का रस**

इसके लिए तुलसी की कुछ पत्तियों को पीसकर उनका रस निकाल लें और दिन में 2-3 बार इसे कान में डालने से दर्द दूर होता है।

**3.नीम**

कान दर्द होने पर नीम की पत्तियां भी काफी फायदेमंद होती हैं। इसके लिए नीम की कुछ पत्तियों को पीसकर उसका रस निकाल लें और उसकी 2-3 बूंदे कान में डालें। इसके अलावा नीम के तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

**4.प्याज**

इसके लिए प्याज को कद्दूकस करके उसे एक पतले कपड़े में बांधकर पोटली बना लें और इसका रस निकाल लें। इस पोटली को रात को सोने से पहले कान के नीचे रखें। इससे कान दर्द में आराम मिलेगा।

**5. जैतून का तेल**

जैतून का तेल बालों के लिए तो फायदेमंद होता ही है, इसके अलावा यह कान दर्द होने पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए जैतून के तेल को हल्का गर्म करके 3-4 बूंदें कान में डालें।

# जिम छोड़ने से पहले जान लें इसके नुकसान

बदलते लाइफस्टाइल में हर कोई फिट और स्लिम दिखना पसद करता है। इसके लिए लोग घंटों जिम में अपना पसीना बहाते है लेकिन कुछ युवा ऐसे भी है जो अचानक से जिम बीच में ही छोड़ देते है। अचानक से बीच में जिम छोड़ देने से शरीर पर बुरा असर पड़ता है। अगर आप या आपका कोई नजदीकि संबंधी बीच में जिम छोड़ने का विचार बना रहा है तो इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लें।

**1. कमजोर मांसपेशियां**

जब आप अचानक से जिम छोड़ देते है तो इससे मांसपेशियां कमजोर होने लगती है और उनकी क्षमता में कमी आने लगती है। जाहिर सी बात है जब आप कड़ी मेहनत करने के बाद कोई काम अचानक से बीच में छोड़ देते है तो शरीर कमजोर पड़ने लगता है और उसकी काम करने की क्षमता भी कम होने लगती है।

**2. वजन बढ़ना**

इसका एक और नुकसान है कि वजन तेजी से बढ़ना शुरू हो जाता है। वर्कआउट करने से शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और कैलोरी बर्न होती है लेकिन जब हम अचानके से जिम करना छोड़ देते है तो वजन बढ़ने लगता है।

**3. फिटनेस में कमी**

जिम छोड़ने के 3 महीने के बाद ही फिटनेस लेवल बिगड़ जाता है। आपने यह बात काफी हद तक नोटिस भी की होगी। इसलिए बेहतर है कि जिम बीच में ही न छोड़े क्योंकि इससे आपकी फिटनेस भी खराब हो जाएगी।

**4. इम्यून सिस्टम**

जिम छोड़ने से इम्यून सिस्टम भी काफी खराब असर पड़ता है क्योंकि जिम करते समय तो लोग अपनी डाइट का खास ध्यान रखते है लेकिन जिम छोड़ देने से उनका डाइट प्लान भी बिगड़ जाता है जिससे इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है।

# मिठास से भरे ये फल सेहत के लिए हैं बैस्ट

न्यूट्रिशियंस,मिनरल्स और विटामिन से भरपूर फलों का सेवन करने से शरीर में पोषक तत्वों की कमी पूरी हो जाती है। कुछ लोग फलों को इसलिए नहीं खाते क्योंकि इनमें मिठास बहुत ज्यादा होती है लेकिन एंटीऑक्सिडेंट के गुणों के कारण सेहत के लिए यह जरूरी भी बहुत है। वहीं कुछ फल ऐसे भी हैं जिनमें मिठास थोड़ी कम होती है लेकिन यह गुणों से भरपूर होते हैं। तो आइए जाने किस तरह खा सकते हैं कम और ज्यादा चीनी वाले फल।

**संतरा**

संतरा विटामिन सी से भरपूर होता है। इसका जूस निकालकर पीने की बजाए अगर ऐसे ही खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। इसमें 11 ग्राम के करीब चीनी की मात्रा होती है।

**सेब**

सेब कई बीमारियों के लिए रामबाण है। इसमें मौजूद फाइबर पेट के लिए बहुत फायदेमंद है। इसका जूस पीने से अच्छा है कि इसे काट कर ही खाएं।

**रसभरी**

खाने में यह मीठी लगती है लेकिन आप इसे आराम से खा सकते हैं क्योंकि इसमें चीनी की मात्रा बहुत कम होती है। एक कप रसभरी में केवल 5 ग्राम चीनी ही होती है।

**एवोकाडो**

इसमें मौजूद फाइबर सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। इसमें चीनी भी बहुत कम होती है।

**लीची**

लीची में मिठास बहुत ज्यादा होती है लेकिन इसमें कैल्शियम भी बहुत मात्रा में होता है। जो हड्डियों और दांतों के लिए बहुत जरूरी है। ये 136 मिलिग्राम कैल्शियम देती है।

**अंजीर**

अंजीर में फाइबर और पोटैशियम भरपूर होता है। इसके साथ ही इसमें मीठास भी होती है। इसके एक कप में 27 ग्राम के करीब चीनी होती है।

**आम**

आम को फलों का राजा माना जाता है। मीठास से भरपूर इस फल में विटामिन- ए भी भरपूर होता है। जो आंखों के लिए फायदेमंद है।

**चेरी**

लाल रंग का यह फल खाने से रात को

# मंहगी क्रीम से नहीं, इस फेसपैक से पाएं बेदाग त्वचा

चेहरे के साथ-साथ शरीर के बाकी अंगों का साफ होना बहुत जरूरी है। अक्सर लोग अपनी चेहरे की खूबसूरती की तरफ ध्यान देते हैं लेकिन अगर हाथ और पैर ही साफ न हो तो पर्सनैलिटी अधूरी लगती है। वहीं गर्मी और बरसात के मौसम में स्किन संबंधित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे सनबन, एलर्जी और फंगस आदि। आज हम आपको एक आसान घरेलू तरीका बताने जा रहे है जिससे आप ग्लोइंग स्किन पा सकते है।

**जरूरत की चीजें**

- खीरे का रस
- आलू का रस
- 1/2 टीस्पून नींबू का रस
- टमाटर का रस

**बनाने और लगाने का तरीका**

सबसे पहले खीरे, टमाटर और आलू का रस मिलाकर अच्छे मिक्स कर लें। अब इसमें नींबू का रस डाले और अच्छे से मिलाएं। इस पैक को स्किन पर 30 मिनट के लिए लगाकर रखें। शाम के समय इस पैक को लगाने से अधिक फायदा मिलता है। इससे सनबन और खुले पोर्स बंद होने की समस्या से छुटकारा मिलता है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 05 अक्टूबर 2022



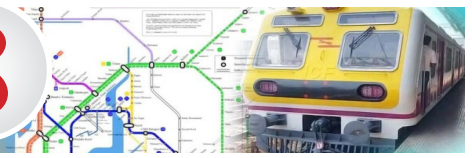

# गोवा से शराब की एक भी बोतल महाराष्ट्र लाए तो लगेगा मकोका !

## ...जानें क्यों सख्त हुई शिंदे सरकार

महाराष्ट्र : गोवा से महाराष्ट्र में शराब लाने वाले लोगों के खिलाफ सरकार अब सख्ती दिखाएगी। ऐसे लोगों के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) की विभिन्न धाराओं के तहत ऐक्शन होगा। आमतौर मकोका की कार्रवाई ऐसे लोगों पर होती जो समूह में गंभीर अपराधों को अंजाम देते हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई गोवा से शराब की एक भी बोतल लाता है तो उस पर MCOCA लगाया जाएगा। महाराष्ट्र के आबकारी मंत्री शंभूराज देसाई ने कोल्हापुर और सिंधुदुर्ग जिलों के आबकारी अधिकारियों को तस्करों के खिलाफ प्रस्तावों का मसौदा तैयार करने और उनके खिलाफ मकोका लगाने के लिए पुलिस प्रशासन को भेजने का निर्देश दिया है।

### बढ़ रही शराब की अवैध आमद

गोवा से महाराष्ट्र में शराब का अवैध ट्रांसपोर्ट बढ़ रहा है। आबकारी अधिकारियों का दावा है कि शराब के ऐसे अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। ऐसे अपराधों की संख्या में वृद्धि हुई है और साथ ही वाहनों का पीछा कर या चौकियों पर रोककर जब्त की गई शराब की मात्रा में भी वृद्धि हुई है।

### पोर्टेबल चेकपॉइंट्स पर होगी जांच

देसाई ने अधिकारियों से गोवा और सिंधुदुर्ग को जोड़ने वाले छोटे मार्गों पर अस्थायी, पोर्टेबल चेकपॉइंट स्थापित करने के लिए भी कहा है। केवल सिंधुदुर्ग जिला गोवा के साथ सीमा साझा करता है लेकिन सिंधुदुर्ग से भी गोवा से कोल्हापुर के लिए कई मार्ग हैं। कोल्हापुर के आबकारी अधीक्षक रवींद्र आवले ने बताया, 'हम दुर्गम रास्तों पर दुर्गम इलाकों में पोर्टेबल केबिन स्थापित करने जा रहे हैं। अभी, हमने बार-बार अपराधियों के खिलाफ महाराष्ट्र खतरनाक गतिविधि रोकथाम अधिनियम की धारा 93 के तहत कार्रवाई का प्रस्ताव दिया है। मकोका लागू करने से मामलों की संख्या कम करने में मदद मिलेगी।'

### महाराष्ट्र में 900 की बोतल, गोवा में मिलती है 300 की

कोविड महामारी के दौरान, जबकि अधिकांश महाराष्ट्र बंद था और शराब की दुकानें बंद थीं, लोग गोवा से महाराष्ट्र में शराब लाए। कुछ ने यह अभी भी जारी रखा है। भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) गोवा से तस्करी की गई शराब का एक प्रमुख घटक है। इसकी वजह गोवा और महाराष्ट्र के बीच कीमतों में भारी अंतर है। उदाहरण के लिए, आईएमएफएल की 750 मिलीलीटर की बोतल जिसकी कीमत गोवा में 300 रुपये है, महाराष्ट्र में उसकी कीमत 900 रुपये है। तस्कर आमतौर पर मूल देश में बोतलबंद विदेशी शराब का सौदा नहीं करते हैं क्योंकि शुल्क का अंतर सिर्फ 10% है।

**गोवा शून्य मूल्य का परमिट**

गोवा में शराब की दुकान के मालिक अकसर आगंतुकों को सड़क मार्ग से अपने राज्यों में शराब की बोतलें ले जाने की अनुमति देते हैं। हालांकि, ऐसे परमिट केवल कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ही मान्य हैं। अधिकारियों ने कहा कि इन परमिटों का मूल्य शून्य है। गोवा से शराब की एक बोतल भी कानूनन महाराष्ट्र में नहीं लाई जा सकती है। गोवा की शराब की दुकानें ये परमिट केवल अपने व्यवसाय को लाभदायक बनाने के लिए जारी करती हैं।

# शिवसेना-शिंदे समूह को चुनाव आयोग का अल्टीमेटम

## 'इस' दिन पर दस्तावेज जमा करें

**महाराष्ट्र :** धनुष्यबान चुनाव चिन्ह को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। चुनाव आयोग जल्द ही तय करेगा कि धनुष और तीर का चिन्ह किसे मिलेगा। इसके लिए ठाकरे और शिंदे समूह को सात अक्टूबर तक चुनाव आयोग को दस्तावेज जमा करने होंगे। 23 सितंबर को, ठाकरे समूह ने चुनाव आयोग से अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाने के लिए कहा था। इसी के तहत चुनाव आयोग ने ठाकरे समूह के लिए समय बढ़ा दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 27 सितंबर को चुनाव आयोग को इस पर सुनवाई करने की इजाजत दी थी कि शिवसेना का चुनाव चिन्ह किसे दिया जाए। उसके बाद शिवसेना ने अपनी राय पेश करने के लिए और समय मांगा। इस बीच चुनाव आयोग ने शिवसेना की इस मांग पर सहमति जताते हुए समय 7 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है। इसलिए शिवसेना को 7 अक्टूबर तक अपनी राय पेश करनी होगी। ठाकरे समूह और शिंदे समूह के बीच टकराव के कारण, संभावना है कि उद्धव ठाकरे या एकनाथ शिंदे शिवसेना के धनुष और तीर का प्रतीक खो देंगे। साथ ही यह फैसला कोर्ट और चुनाव आयोग करेगा कि असली शिवसेना कौन है। इसलिए सभी का ध्यान इस बात पर है कि क्या निर्णय लेना है।

# आम आदमी को महंगाई का एक और झटका!

# एमजीएल ने मुंबई में सीएनजी और पीएनजी के भाव बढ़ाए...!

**मुंबई :** महानगर गेस लिमिटेड ने मुंबई और आसपास के इलाके में रहने वाले लोगों के लिए सीएनजी और पीएनजी गैस की कीमतों को बढ़ाने का फैसला किया है। सीएनजी गैस की कीमतों में छह रुपये प्रति किलो जबकि पीएनजी गैस की कीमत में चार रुपये प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई है।

**सीएनजी छह रुपये प्रति किलो तो पीएनजी चार रुपये प्रति यूनिट महंगा हुआ**

कीमतों में छह रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी के बाद मुंबई और उसके उपनगरीय इलाकों में सीएनजी गैस की कीमत 86 रुपये प्रति किलो हो गई है। वहीं, पीएनजी गैस की कीमतों में चार रुपये प्रति यूनिट की बढ़ोतरी के बाद इसकी नई कीमत 52.50 रुपये प्रति एससीएम हो गई है। बता दें कि महानगर गैस

लिमिटेड की सप्लाई में दस फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऐसे में सीएनजी और पीएनजी गैस की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

**प्रकृतिक गैस की कीमतों में आया 40% तक का उछाल**

पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत आने वालपे पेट्रोलियम और विश्लेषण प्रकोष्ठ ने 30 सितंबर को एक अक्तूबर से अगले छह महीने के लिए घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस की कीमतों में छह फीसदी की बढ़ोतरी करने का फैसला किया था। इससे पहले भी ग्लोबल मार्केट में कीमतों का हवाला देते हुए गैस के भाव में 110 फीसदी की बढ़ोतरी की गई थी। बता दें कि सरकार वर्ष में दो बार प्रत्येक एक अप्रैल और 30 सितंबर को गैस की कीमतों संशोधन करती है।

### गोमांस ले जा रहा वाहन जब्त, 1 गिरफ्तार

**अकोला :** सूचना के आधार पर खदान पुलिस स्टेशन की हद में एलसीबी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक वाहन के साथ 3.85 क्विंटल गोमांस जब्त कर लिया. प्राप्त जानकारी के अनुसार एलसीबी पुलिस को सूचना मिली थी कि बाशीर्टाकली से आ रहे एक चार पहिया वाहन में गोमांस लाया जा रहा है. इस सूचना के आधार पर एलसीबी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कौलखेड़ परिसर में नाकाबंदी कर बाशीर्टाकली की ओर से आ रहे चार पहिया वाहन (क्र.एमएच-30 बीडी-1530) को रोका और तलाशी ली. तब इस वाहन में गोमांस दिखाई दिया. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वाहन से 5 लाख 15 हजार 500 रू. का 3.85 क्विंटल माल जब्त कर लिया है.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव ( पूर्व ),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com